BIO-DATA

नाम – प्रणु शुक्ला

शिक्षा – 10वीं, प्रथम श्रेणी (1999)

– 12वीं, प्रथम श्रेणी 2001 (मैरिट)

– बी.ए. महारानी महाविद्यालय, जयपुर (सर्वोच्च अंक प्राप्त) 2004

– एम.ए. हिंदी (स्वर्ण पदक प्राप्त), राजस्थान विश्वविद्यालय 2008 (सर्वोच्च अंक प्राप्त)

लघु शोध प्रबंध – ''निराला की लम्बी कविताओं में राम की शक्तिपूजा और सरोज स्मृति में त्रासदीय तत्व''

पी.एच.डी. – 23.05.2018 को पूर्ण
हिंदी उपन्यासों में प्रवासी जीवन– अध्ययन और विश्लेषण

चयनित – हिंदी व्याख्याता, स्कूल शिक्षा, राजस्थान सरकार, राजस्थान मेरिट क्रमांक–33
राजस्थान राज्य प्रशासनिक एवं अधीनस्थ सेवाएं, मेरिट क्रमांक– 81
सहायक आचार्य, हिंदी कॉलेज शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार, मेरिट क्रमांक–5

पुस्तकें (सम्पादित) – 1. गिरिधर की अनमोल कुण्डलियाँ ISBN 978–9380567–54–9

2. वृंद अमृत दोहावली ISBN 978–93–80405–43–8 (सम्पादित)

3. कबीर के सुबोध दोहे – सम्पादित ISBN 978–81–7711–388–4

4. मीरा पदावली ISBN 978–81–7711–434–8

5. तुलसी के सरल सरस जन प्रिय दोहे ISBN 978–93–80567–66–2 (साहित्यागार, जयपुर)

6. समाजदृष्टा साहित्यकार रत्नकुमार सांभरिया
ISBN–978–93–84163–01–03

7. पदमावत सारावली ISBN 978–93–83468–37–9

8. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना ISBN 978–93–85445–37–8

9. तुलसीकाव्य त्रयी ISBN 978–81–7711–609–0

10. काव्यांग मंजरी ISBN 978–81–7711–420–1

11. बाल नाटक ISBN 978–81–7932–165–2

12. अमीर खुसरो की सरस और सुबोध पहेलियाँ ISBN 978–81–7711–466–9

13. संत बुल्लेशाह प्रकाशनाधीन

समिति सदस्य – राजस्थान प्रगतिशील लेखक संघ,
अखिल भारतीय युवा साहित्यकार परिषद्, वाराणसी, उत्तरप्रदेश
जयपुर इन्टरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (आयोजन समिति सदस्य)
पुनरूत्थान (आयोजन समिति सदस्य)
पाठ्यक्रम समिति सदस्य (राजस्थान सरकार)

पुस्तक समीक्षा – विभिन्न पत्र–पत्रिकाओं के समीक्षक पैनल में स्थाई सदस्य
40 से अधिक पुस्तक समीक्षाऐं प्रकाशित

संगोष्ठी में सहभागिता– 30 से अधिक

संगोष्ठी का आयोजन – 1. अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी –लोकतंत्र साहित्य और नागरिक समाज, दिनांक 27 से 29 जनवरी, 2019 (संयोजक)
2. उच्च शिक्षा में स्वायत्तता चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ, दिनांक 18–19 नवम्बर, 2018 (सह–संयोजक)

सम्मान – मेधावी छात्रा सम्मान – 14 सितम्बर 2008 को
सर्वश्रेष्ठ शिक्षिका सम्मान – 26 जनवरी 2012 को
लायंस क्लब इंटरनेशनल सम्मान (10 सितम्बर, 2016)
साहित्य कुंदन सम्मान – समीक्षक पद हेतु
साहित्य संबल सम्मान – समीक्षक पद हेतु

वाचस्पति सम्मान – पत्र लेखन प्रतियोगिता कराने हेतु (20 जनवरी, 2019)

सर्वश्रेष्ठ समीक्षक सम्मान – राजस्थान पत्रिका द्वारा

शोधालेख – 15 से अधिक

1. राम की शक्ति पूजा में राष्ट्रीय चेतना, उत्पल, जयपुर सं. डॉ. सुधीर सोनी
2. पूर्णता की तलाश : भया कबीर उदास, अबीर, अक्टूबर 2011, जयपुर
3. हिंदी उपन्यासों में प्रवासी भारतीय – शोध दिशा, मार्च 2011, बिजनौर, यू.पी.
4. अन्या से अनन्या में प्रवासी वेदना – शोध दृष्टि, जुलाई 11, सृजन समिति, वाराणसी, यू.पी.
5. रूकोगी नहीं, राधिका, एक प्रवासी संदर्भ – शोध दृष्टि, जुलाई 12
6. भावों की बिखरने की प्रवास यात्रा : 'शेष यात्रा', अनुकृति, वाराणसी, यू.पी.
7. सामाजिक समस्याओं का अंकन : 'मिले सुर मेरा तुम्हारा' अनुकृति, अक्टूबर 12, वाराणसी (यू.पी.)
8. प्रवासी मजदूरों की समस्याओं दस्तावेज : गाँधी जी बोले थे वीक्षा, लोकायत प्रकाशन
9. मनमोहन सहगल के उपन्यास 'मिले सुर मेरा तुम्हारा', में पंजाबी लोकगीत, पंचशील शोध समीक्षा – हेतु भारद्वाज, जयपुर
10. राम की शक्तिपूजा व सरोज स्मृति का संरचनात्मक गठन – शोध श्री जयपुर
11. शक्तिपूजा और सरोज स्मृति के चरित्र नायक : करूणा और संघर्ष का टकराव – अबीर, जयपुर
12. निराला और त्रासदी – रिसर्च एनालिलस एण्ड एवेल्युएशज, जयपुर
13. सरोज स्मृति निराला की गहन वेदना : शोध समीक्षा एवं मूल्यांकन, जयपुर
14. राम की शक्ति पूजा : मानवीय राम का आत्मसंघर्ष, उत्पल, डॉ. सुधीर सोनी, जयपुर
15. दादूदयाल के काव्य में सामाजिक चेतना, अबीर, जयपुर
16. दादूपंथी साहित्य और सामाजिक चेतना – उजास, वाराणसी
17. बिहारी एक मूल्यांकन डॉ. शर्मा की सारगर्भित कृति – जनप्रतिबद्ध, एटा, यू.पी.
18. महानगरीय परिवेश एक मूल्यांकन अवलोकन – वीक्षा, लोकायत प्रकाशन
19. साहित्य और प्रवासी जीवन – प्रवासी जगत – केन्द्रीय हिंदी निदेशालय आगरा

20. तुलसी के काव्य में पर्यावरण चेतना – अपनी माटी– चित्तौडगढ, ई–मैगजीन

21. प्रवासी जीवन और गिरते नैतिक मूल्य – अपनी माटी, चित्तौडगढ, ई–मैगजीन

21. अपराजित आस्था के प्रतीक– जाहरपीर गोगाजी, सांस्कृतिक प्रवाह, जयपुर

22. प्रवासी देशों का सांस्कृतिक एवं धार्मिक अध्ययन, विधा वार्ता, महाराष्ट्र

23. राजस्थानी आन–बान–शान का प्रतीक : रणथम्भौर–रिसर्च इनफोर्समेन्ट, जयपुर

24. हिंदी उपन्यासों में प्रवासी नारी : अस्मिता और स्वायत्तता का जयघोष जनाकृति कनाडा

25. दलित कथा साहित्य में नारी चेतना : इक्कीसवीं सदी के हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्श में शोध आलेख, पुस्तक ISBN-978-93-86113-75-7 नटराज प्रकाशन नई दिल्ली स. रमेश कुमार

26. हिदी आत्मकथाएँ और औरत का सामाजिक सच – नई सदी का साहित्य चिन्तन और चुनौतियाँ, पुस्तक ISBN-976-93-84979-51-5 पुस्तक, बोधी प्रकाशन, जयपुर

27. बिहारी एक मूल्यांकन – डॉ. शर्मा की सासर्भित कृति– डॉ. हरिचरण शर्मा, रेखाएँ और आकृतियाँ सं. – डा. वेदप्रकाश अमिताभ, डा. बनवीर प्रसाद शर्मा, शाश्वती प्रकाशन, जयपुर।

28. विद्रोह में अपराजित आस्था मीरा : Contemporary Indian writing : A Source of Cultural Strengtheving स. – प्रो. विनोद बिहारी शर्मा, डा. कमल किशोर सैनी सरस्वती पब्लिकेशन, जयपुर ISBN-978-93-84277-20-8

कार्यानुभव : –

06 अप्रैल, 2011 से 10 दिसम्बर, 2012 तक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, भानपुर कलां, जयपुर में व्याख्याता हिंदी के पद पर कार्यरत

11 दिसम्बर, 2012 से 06 मार्च, 2019 तक राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, टोंक में सहायक–आचार्य हिंदी के पद पर कार्यरत

07 मार्च, 2019 से अद्ययवधि तक राजकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, चौमूँ में सहायक आचार्य, हिंदी के पद पर कार्यरत

अध्यापन अनुभव

स्नातक व स्नातकोत्तर 7 वर्ष

अन्य – 10 वर्षों से अध्ययन–अध्यापन के क्षेत्र में रत्

– दूरदर्शन के विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता

– आकाशवाणी में 10 वर्षों से प्रसारण दक्षता

प्रणु शुक्ला

प्रवक्ता
राजकीय स्नात्तकोत्तर कन्या महाविद्यालय
चौमूँ, राजस्थान